

मालय उपखण्ड अधिकारी हिण्डौन सि

फर्द अहकाम

82/28 पत्रावली पेश हुई। कादी व कादी ककील इत
 नुही। प्रकृत अकार-कार कादी व कादी ककील
 का आवाज मिलानी नही। आवाज मिलानी मात्र
 के बावजूद कादी व कादी ककील इत नही।
 पत्रार्थ माहिर होला है। कि कादी व कादी ककील
 प्रकृत आगे चलाने में रुचि नही है उहे ही अतः
 सु० न० 135/15 काया श्री लाल बख्त फौजदार
 अदम धारी व अदम हैरती में स्थापित
 किया जाता है। पत्रावली के फल सुभार से
 नकार दे कम ही।

